कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CBKG–004

भारतीय कालगणना में प्रमाण-पत्र कार्यक्रम

(सी.बी.के.जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

सी.बी.के.जी.-004 : कालगणना और ऐतिहासिक कालक्रम

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 70*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में* **दो** *खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) कालगणना के अध्ययन क्षेत्र में आर्यभट्टोयम् ग्रन्थ का परिचय दीजिए।

(ख) पुरातात्त्विक सन्दर्भों में कालगणना का वर्णन कीजिए।

(ग) महाभारत तथा रामायण की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए।

(घ) भारतीय इतिहास के कालक्रम के निर्धारण में सप्तर्षि संवत् के महत्व पर प्रकाश डालिए।

(ङ) विक्रम संवत् की ऐतिहासिकता का वर्णन कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. भास्कराचार्य के ग्रन्थों का परिचय दीजिए। 5

3. सिद्धान्तशिरोमणि के अनुसार सौर-चान्द्र मास आदि का काल-विभाग लिखिए। 5

4. आर्यभट्ट का खगोल विज्ञान के क्षेत्र में योगदान का उल्लेख कीजिए। 5

5. बृहत्संहिता का परिचय दीजिए। 5

6. भूगर्भशास्त्र के काल-विभाजन के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए। 5

7. भारतीय इतिहास पर पुरातत्त्व-युगविभाजन के पड़ने वाले प्रभावों का वर्णन कीजिए। 5

8. विकासवाद के सन्दर्भ में सृष्टि संवत् का उल्लेख कीजिए। 5

9. मन्वन्तरों के इतिहास पर संक्षिप्त टिप्पणो लिखिए। 5